

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, द थियोलॉजी ऑफ ल्यूक-एक्ट्स सत्र 14, पीटरसन, द चर्च इन एक्ट्स, भाग 1

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन हैं जो ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 14 है, पीटरसन, द चर्च इन एक्ट्स, भाग 1।

हम ल्यूक और धर्मशास्त्र पर अपने व्याख्यान जारी रखते हैं, प्रेरितों के अधिनियमों का अध्ययन जारी रखते हैं।

आइए हम प्रभु की तलाश करें। प्रिय पिता, आपके शब्द के लिए धन्यवाद। एक्ट्स में प्रारंभिक चर्च में सुसमाचार के प्रसार के रिकॉर्ड के लिए धन्यवाद। मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से, हम प्रार्थना करते हैं कि हमें आशीर्वाद दें और हमारे मन और हृदय में काम करें। तथास्तु।

हमने न्यू टेस्टामेंट पर एफएफ ब्रूस की नई अंतर्राष्ट्रीय टिप्पणी में एक्ट्स की पुस्तक का परिचय देखा है और फिर डेनिस जॉनसन की द मैसेज ऑफ एक्ट्स में कई महत्वपूर्ण विषयों और विचारों के साथ एक ठोस परिचय देखा है।

अब हम मेरे अपने प्रेरितों के काम में चर्च का अवलोकन करने जा रहे हैं। खैर, मैं अवलोकन से पहले थोड़ा सा पढ़ूंगा।

लूका ने दो पुस्तकों में एक शानदार कहानी लिखी, उसका सुसमाचार और प्रेरितों के काम। यह कई कारणों से सच है, लेकिन तीन सबसे महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले, जैसा कि हम पहले भी कई बार देख चुके हैं, लूका और प्रेरितों के काम की प्रस्तावनाएँ लूका के लिखने के इरादे को दर्शाती हैं।

हम हॉवर्ड मार्शल से सहमत हैं कि सुसमाचार की प्रस्तावना “संभवतः दो-खंडीय कार्य के दोनों भागों को संदर्भित करने के लिए है। ल्यूक,” इतिहासकार और धर्मशास्त्री, पृष्ठ 40। इसके अलावा, प्रेरितों के काम की प्रस्तावना ल्यूक के सुसमाचार को “पहली कथा” के रूप में संदर्भित करती है।

अधिनियम 1:1 से 3. मुझे इसे ईएसवी से प्राप्त करने दीजिए। “पहली किताब में, हे थियोफिलस, मैंने उन सभी का वर्णन किया है जो यीशु ने करना शुरू किया और उस दिन तक शिक्षा दी जब तक कि वह अपने चुने हुए प्रेरितों को पवित्र आत्मा के माध्यम से आदेश देने के बाद ऊपर नहीं उठा लिया गया। उन्होंने कष्ट सहने के बाद अनेक प्रमाणों के द्वारा अपने आप को उनके सामने जीवित प्रस्तुत किया, और चालीस दिनों तक उन्हें दर्शन देते रहे और परमेश्वर के राज्य के बारे में बात करते रहे।”

दूसरा, ल्यूक-एक्ट्स एक साथ बंधे हुए हैं क्योंकि सुसमाचार समाप्त होता है, और एक्ट्स यीशु के स्वर्गारोहण के संदर्भ से शुरू होता है। एक्ट्स की प्रस्तावना में, ल्यूक पाठकों को याद दिलाता है कि उसका सुसमाचार उन सभी के बारे में एक उद्घरण था जो यीशु ने करना शुरू किया और

उस दिन तक सिखाया जब तक उसे ऊपर नहीं उठाया गया। यह सुसमाचार के अंत की ओर संकेत करता है, जहां लूका लिखता है कि यीशु ने उन्हें छोड़ दिया और स्वर्ग में ले जाया गया, लूका 24:51।

तीसरा, तीसरा कारण है कि लूका, प्रेरितों के काम, वास्तव में एक इकाई क्यों है। प्रेरितों के काम की शुरुआत लूका के सुसमाचार के अंत में यीशु की भविष्यवाणी को पूरा करती है, जहाँ शिष्यों को यह बताने के बाद कि वे उसके गवाह हैं, उसने घोषणा की, और देखो, मैं तुम्हें वही भेज रहा हूँ जो मेरे पिता ने वादा किया था। जहाँ तक तुम्हारा सवाल है, तब तक शहर में रहो जब तक तुम्हें ऊपर से शक्ति न मिले, लूका 24:49।

प्रेरितों के काम की पुस्तक आत्मा से सशक्त प्रेरितों द्वारा जी उठे मसीह के बारे में गवाही के बारे में है। इसलिए, लूका, प्रेरितों के काम का अध्ययन दो तरीकों से किया जाना चाहिए। अलग-अलग, सुसमाचार लूका, प्रेरितों के काम की पुस्तक, लेकिन एक साथ एक कार्य के दो भागों के रूप में, लूका हाइफ़न प्रेरितों के काम।

प्रेरितों के काम में चर्च की रूपरेखा। पवित्र आत्मा प्रेरितों को गवाही के लिए तैयार करता है, प्रेरितों के काम 1। आरंभिक चर्च का संदेश, प्रेरितों के काम 2:32 से 41। आरंभिक चर्च की गतिविधियाँ, प्रेरितों के काम 2:42 से 47।

प्रारंभिक चर्च के सेवक, प्रेरितों के काम 6, 1 से 7. परमेश्वर अन्यजातियों को बचाता है, प्रेरितों के काम 10:34 से 48 जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं, एक बहुत ही जबरदस्त और बहुत ही महत्वपूर्ण परिवर्तन, न केवल प्रेरितों के काम की पुस्तक में, बल्कि पूरी बाइबल की कहानी में।

नंबर छह, प्रेरितों के काम 13. परमेश्वर उत्पीड़न के बीच अन्यजातियों के बीच संप्रभुता से काम करता है, प्रेरितों के काम 13:44 से 52.

नंबर सात, चर्च में अनुग्रह और एकता, प्रेरितों के काम 15:6 से 11. यरूशलेम परिषद।

परिच्छेद संख्या आठ, कलीसिया सेवकाई में पौलुस का उदाहरण, प्रेरितों के काम 2:18 से 32। और अंत में, पौलुस जेल में है, परन्तु सुसमाचार बंधा हुआ नहीं है, प्रेरितों के काम 28, 23 से 31। संख्या एक, पवित्र आत्मा प्रेरितों को गवाही के लिए सुसज्जित करता है, प्रेरितों के काम 1, 4 से 11।

उनके साथ रहते हुए, यीशु ने उन्हें यरूशलेम से न जाने का आदेश दिया, बल्कि पिता के वादे की प्रतीक्षा करते रहे, जो उसने कहा, तुमने मुझसे सुना, क्योंकि जॉन ने पानी से बपतिस्मा दिया, लेकिन तुम बहुत दिनों तक पवित्र आत्मा से बपतिस्मा नहीं लोगे। अभी से। सो उन्होंने इकट्ठे होकर उस से पूछा, हे प्रभु, क्या तू इसी समय इस्राएल को राज्य फेर देगा? उस ने उन से कहा, पिता ने अपने अधिकार से जो समय या काल ठहराए हैं, उन्हें जानना तुम्हारा काम नहीं है, परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे, और यरूशलेम में मेरे गवाह होगे और सारे यहूदिया और सामरिया में और पृथ्वी की छोर तक। और जब उस ने ये बातें कहीं, तो जब वे

देखते रहे, तो वह ऊपर उठा लिया गया, और एक बादल ने उसे उनकी दृष्टि से ओझल कर दिया।

और जब वह जा रहा था, तो वे स्वर्ग की ओर ताकते हुए थे, देखो, दो मनुष्य श्वेत वस्त्र पहिने हुए उनके पास आ खड़े हुए, और कहने लगे, हे गलील के पुरूषो, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यह यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग में जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा। अधिनियमों की शुरुआत ही पाठकों को ल्यूक के सुसमाचार के अंत में शिष्यों को यीशु के निर्देशों की याद दिलाती है कि जब तक वह पिता का वादा नहीं भेजता, तब तक वे यरूशलेम में ही रहें। अधिनियम 1:4. उसी भाषा को दर्शाते हुए, ल्यूक 24:49। ईएसवी का अनुवाद है, पिता का वादा।

जब तक वह पिता का वादा, पवित्र आत्मा, उन्हें नवीनता और शक्ति में नहीं भेजता, तब तक यरूशलेम में रहना। लूका 24 :49. इसके अलावा, यीशु ल्यूक की शुरुआत को अधिनियम 1 और 2 से जोड़ते हैं जब वह कहते हैं, उद्घरण, जॉन ने पानी से बपतिस्मा लिया, लेकिन आपको कुछ दिनों में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया जाएगा। अधिनियम 1:5. जॉन द बैपटिस्ट की भविष्यवाणी कि मसीहा चर्च को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा, सभी चार सुसमाचारों में पाया जाता है, जो असामान्य है।

यह चारों सुसमाचारों में होता है, इसे अधिनियम 1 में दोहराया गया है, और फिर अधिनियम 2 में, यीशु ने चर्च पर पवित्र आत्मा उँडेलकर भविष्यवाणी को पूरा किया है। इस तरह, विशेष रूप से, फिर से, ल्यूक और एक्ट्स के बीच एक संबंध है। शुरुआत में, ल्यूक ने जॉन द बैपटिस्ट से ल्यूक 3:16 में यह बयान दिलवाया। तो, ल्यूक 3:16. जॉन बैपटिस्ट की भविष्यवाणी है कि मसीहा चर्च को आत्मा से बपतिस्मा देगा।

लूका 24. पिता की प्रतिज्ञा और पवित्र आत्मा के यरूशलेम में आने की याद दिलाता है। प्रेरितों के काम 1. यीशु यूहन्ना की भविष्यवाणी दोहराते हैं।

इस प्रकार लूका की शुरुआत और अंत तथा लूका के अंत और प्रेरितों के काम की शुरुआत के बीच एक संबंध है। ये बातें इस तरह से जुड़ी हुई हैं। यीशु प्रेरितों के काम 1 में यूहन्ना की भविष्यवाणी को दोहराता है और प्रेरितों के काम 2 में इसे पूरा करता है। यानी, सुसमाचार प्रेरितों के काम की किताब, खास तौर पर लूका की मांग करते हैं।

वे अधूरे हैं। अधूरे? वे यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान की बात करते हैं, जो सुसमाचार की परिभाषा का हिस्सा है। इसमें यीशु की कुछ शिक्षाएँ और जीवन होना चाहिए, लेकिन जो ज़रूरी है वह है उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान।

वे अधूरे कैसे हो सकते हैं? वे इस मायने में अधूरे हैं कि वे चारों भविष्यवाणी करते हैं कि मसीहा एक चर्च को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे रहा है, और वह किसी भी सुसमाचार में ऐसा नहीं करता है। जब मैं कहता हूँ कि वे जॉन की भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए अधिनियमों की पुस्तक की मांग करते हैं तो मैं सुसमाचार की आलोचना नहीं कर रहा हूँ। और हम उस चीज़ को

पाते हैं जो अधिनियम 1 में दोहराई गई है। हम इसे कैसे चूक सकते हैं? और फिर प्रेरितों के काम 2 में पूरा हुआ। यह पूर्ति स्वयं उन यहूदी तीर्थयात्रियों के लिए गवाह है जिन्होंने पेंटेकोस्ट के लिए यरूशलेम की यात्रा की थी।

क्योंकि जब आत्मा प्रेरितों में भर गया, तो वे भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलने लगे, और सुननेवालों को चकित कर दिया। क्योंकि प्रत्येक ने परमेश्वर के महान कार्यों को अपनी-अपनी भाषा में सुना। अधिनियम 1:4 से 12 तक।

पीटर ने समझाया कि उन्होंने जो सुना वह जोएल की भविष्यवाणी की पूर्ति थी। कि परमेश्वर अंत के दिनों में सभी लोगों पर अपनी आत्मा उण्डेलेगा। अधिनियम 1:17, जोएल 2:28 से 32 का हवाला देते हुए।

योएल 2:28 से 32. और उसके बाद मैं अपना आत्मा सब प्राणियों पर उंडेलूंगा। तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियां भविष्यवाणी करेंगी।

तुम्हारे पुरनिये स्वप्न देखेंगे, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। उन दिनों में मैं अपने दास-दासियों पर भी अपनी आत्मा उंडेलूंगा।

और मैं आकाश में और पृथ्वी पर चमत्कार दिखाऊँगा। खून और आग और धुँ के खम्भे। सूरज अंधकार में बदल जाएगा और चाँद खून में।

प्रभु के महान और भयानक दिन के आने से पहले। और ऐसा होगा कि जो कोई प्रभु का नाम पुकारेगा, वह बच जाएगा। क्योंकि सिव्योन पर्वत और यरूशलेम में ऐसे लोग होंगे जो बच निकलेंगे, जैसा कि प्रभु ने कहा है।

और बचे हुए लोगों में वे लोग होंगे जिन्हें प्रभु बुलाएगा। इसके बाद पतरस के उपदेश ने बहुतों को प्रभु के पास लाया, जैसा कि हम अपने अगले अंश में देखेंगे। ग्यारह लोगों ने यीशु से पूछा कि क्या वह तब इस्राएल को राज्य पुनः प्रदान करेगा।

उसने उन्हें हल्के से डांटा और उनका ध्यान पुनः केन्द्रित किया, यह संकेत देकर कि उन्हें भविष्यवाणियों के पूरे होने की तिथियों के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यह पिता का काम था। प्रेरितों के काम 1:6 और 7। इसके बजाय, उन्हें विश्व सुसमाचार प्रचार के कार्य पर ध्यान केन्द्रित करना था।

प्रेरितों के काम 1:8. लेकिन जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम सामर्थ्य पाओगे। तुम यरूशलेम में, सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। श्लोक 8. वे तुरंत यह नहीं समझ पाए कि यीशु के शब्दों का तात्पर्य अन्यजातियों को गवाही देना था, बल्कि वे इसे यहूदियों को तितर-बितर होने की गवाही देने के लिए समझना चाहते थे।

अधिनियम 1:8 के महत्व पर अधिक जोर देना कठिन है। विलियम लार्किन ने सही ढंग से इसे एक आदेश और एक वादा कहा है, क्योंकि यह दोनों एक साथ हैं। यह आत्मा की शक्ति और

सुसमाचार प्रचार को एक साथ जोड़ता है। यह सुसमाचार की प्रगति की एक भौगोलिक रूपरेखा भी प्रदान करता है और इस प्रकार अधिनियमों की पुस्तक की रूपरेखा तैयार करता है।

डेविड पीटरसन ने द एक्ट्स ऑफ द एपोस्टल पिलग्रिम न्यू टेस्टामेंट कमेंटरी में इसकी व्याख्या की है। "यीशु यशायाह 49:6 के शब्दों और अवधारणाओं को प्रतिध्वनित करते हैं।" एक उद्धरण में, ईश्वर के शासन का वादा केवल इसराइल के संरक्षित हिस्से की बहाली नहीं है, बल्कि पृथ्वी के छोर तक राष्ट्रों के लिए प्रकाश बनने के इज़राइल के आह्वान का नवीनीकरण है। पीटरसन अधिनियम 1 में टाइडेह, यीशु के उत्थान और इज़राइल की बहाली का हवाला देते हैं। हार्वर्ड थियोलॉजिकल रिव्यू 79, पृष्ठ 286।

प्रेरितों के काम 1:8 एक भविष्यवाणी और वादा है कि किस तरह से यह ईश्वरीय योजना पूरी होगी, न कि एक आदेश। पुस्तक का बाकी हिस्सा बताता है कि यह कैसे हुआ। सबसे पहले यरूशलेम में, अध्याय 2-7।

फिर सारे यहूदिया और सामरिया में, अध्याय 8-12। और फिर पृथ्वी के छोर तक, अध्याय 13-28। जब शिष्यों ने देखा, तो यीशु उनकी नज़रों से ओझल होकर बादल में ऊपर चढ़ गया, और वे देखते रहे।

उन्हें दो स्वर्गदूतों ने रोका जो चमकते हुए वस्त्र पहने हुए थे और उनसे पूछा कि वे आकाश की ओर क्यों देखते रहते हैं। कभी-कभी, बाइबल में मज़ाकिया बातें कही गई हैं। प्रेरितों के काम 1:9-11.

उन्होंने बताया कि वही यीशु जो तुम्हारे बीच से स्वर्ग में ले जाया गया है, उसी तरह आएगा जिस तरह तुमने उसे स्वर्ग में जाते देखा है। पद 11 में स्वर्गदूतों ने शिष्यों को याद दिलाया कि यीशु वापस आएगा। इसका तात्पर्य यह था कि शिष्यों को स्वर्ग की ओर देखना बंद कर देना चाहिए और महान आदेश के साथ व्यस्त हो जाना चाहिए।

तो, परमेश्वर के नए नियम के लोग वे हैं जिन्हें वह मिशन के लिए सुसज्जित और नियुक्त करता है। पवित्र आत्मा उन्हें खोई हुई दुनिया के साथ खुशखबरी साझा करने के लिए सशक्त बनाएगा। परमेश्वर के लोग वे भी हैं जो मसीह के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस प्रकार वे एक मिशनरी और युगांतकारी लोग हैं। चर्च के लिए प्रेरितों के काम 1:8 के अंतिम लक्ष्य पर चर्चा करते हुए बाख इन अंतर्दृष्टियों पर प्रकाश डालते हैं। उद्धरण, तो पृथ्वी का अंत वाक्यांश भौगोलिक और जातीय दायरे में है, जिसमें सभी लोग और स्थान शामिल हैं।

चर्च का आह्वान दिशा में मिशनरी और ध्यान में परलोकवाद पर केंद्रित होना है। उद्धरण समाप्त, डेरल बाख, प्रेरितों के काम, बेकर की नए नियम पर व्याख्यात्मक टिप्पणी पृष्ठ 65 और 66। प्रेरितों के काम में हमारा दूसरा अंश जो नए नियम में परमेश्वर के लोगों से संबंधित है, वह प्रेरितों के काम 2:32-41 में प्रारंभिक चर्च का संदेश है।

पीटर हमेशा से ही नेता रहा है। ओह, उसने कुछ मूर्खतापूर्ण बातें कही हैं। वह कहता है कि वह कभी क्रूस पर नहीं चढ़ेगा।

और यीशु कहते हैं, शैतान, मेरे पीछे हट जा। और फिर वह तीन बार अपने प्रभु को अस्वीकार करता है, उसे अस्वीकार करता है।

छोटी नौकरानियों के सामने, जो मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक है। हालाँकि मुझे लगता है कि मुझे आईने में देखना चाहिए। तो, परमेश्वर उसे तोड़ता है, और यीशु उसे यूहन्ना 21 में पुनर्स्थापित करता है।

पतरस यीशु से एकांत में मिलना चाहता है, नाव से कूदना चाहता है, यीशु की उपस्थिति में आना चाहता है। यीशु उसे कठोर पश्चाताप के माध्यम से ले जाता है, उसे तीन बार यीशु के प्रति अपने प्रेम की पुष्टि करने के लिए मजबूर करता है, जिससे उसका दिल टूट जाता है। लेकिन पतरस हमेशा से एक महान नेता रहा है, लेकिन अब उसे एक नए और शक्तिशाली तरीके से आत्मा से संपन्न किया गया है।

वह निडर है और आरंभिक चर्च में परमेश्वर ने उसका बहुत उपयोग किया है। प्रेरितों के काम 2:32-41 में कम से कम उपदेश का एक भाग शामिल है, जैसा कि प्रेरितों के काम में सभी उपदेशों में है, लूका के अपने शब्दों में सारांश। भाइयों, पद 29, मैं तुम्हें कुलपति दाऊद के विषय में विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि वह मर गया और उसे दफनाया गया, और उसकी कब्र आज तक हमारे साथ है।

इसलिए एक भविष्यद्वक्ता होने के नाते, और यह जानते हुए कि परमेश्वर ने उससे शपथ खाई है, वह अपने वंशजों में से एक को अपने सिंहासन पर बिठाएगा, 2 शमूएल 7। उसने मसीह के पुनरुत्थान के बारे में पहले से ही भविष्यवाणी की और बात की, कि उसे अधोलोक में नहीं छोड़ा गया, न ही उसके शरीर ने सड़न देखी। इस यीशु, पद 32, को परमेश्वर ने जिलाया, और हम सभी इसके गवाह हैं। यह एक तरह से प्रेरित की परिभाषा है।

इसलिये परमेश्वर के दाहिने हाथ से महान् होकर, और पिता से पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा पाकर, उस ने यह उण्डेल दिया है, जिसे तुम देख और सुन रहे हो। क्योंकि दाऊद आप ही स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, परन्तु वह आप ही कहता है, यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठ, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे चरणों की चौकी के पास न कर दूँ। इसलिये इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले, कि परमेश्वर ने उसी यीशु को, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु और मसीह दोनों बनाया।

जब उन्होंने यह सुना, तो वे बहुत घबरा गए, और पतरस और और प्रेरितों से कहने लगे, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे लिये, और तुम्हारी सन्तान के लिये, और सब दूर दूर के लोगों के लिये है, अर्थात् उन सभी के लिये जिन्हें प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाता है। और बहुत सी बातों से उस ने

गवाही दी, और यह कहकर उनको समझाता रहा, कि इस कुटिल पीढ़ी से अपने आप को बचाए रखो।

इसलिये जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन कोई तीन हजार प्राणी और जुड़ गए। यीशु के बारे में प्रेरितों के संदेश पर विश्वास करके लोग परमेश्वर के नए नियम के लोग बन गए और बन गए। हम इसे पहले से ही पिनतेकुस्त के दिन देखते हैं, जब पीटर मसीह का प्रचार करता है, और तीन हजार लोग विश्वास करते हैं।

प्रारंभिक चर्च का संदेश क्या था? परमेश्वर ने प्रेरितों पर पवित्र आत्मा उँडेलने के बाद, पतरस ने जोएल 2, 28-32 को उद्धृत करके इस घटना को समझाया। इस उद्धरण के अंत में पीटर के उपदेश के लिए एक अच्छा पुल तैयार किया। तब जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह बच जाएगा, अधिनियम 2:21, जोएल 2:32 का हवाला देते हुए।

जैसा कि नए नियम में आम है, पीटर पुराने नियम के उद्धरण की व्याख्या प्रभु यीशु के रूप में करता है। नए नियम का संदेश यीशु के नाम पर मुक्ति का संदेश है। यीशु प्रारंभिक चर्च के संदेश का केंद्र है, जैसा कि पीटर के अगले शब्द प्रमाणित करते हैं।

साथी इस्राएलियों, इन शब्दों को सुनो। यह नासरत का यीशु ऐसा मनुष्य था, जिसे परमेश्वर ने तुम्हारे लिये आश्चर्यकर्मों, आश्चर्यकर्मों, और चिन्हों से प्रमाणित किया था, जैसा परमेश्वर ने उसके द्वारा तुम्हारे बीच किया, जैसा कि तुम आप ही जानते हो। अधिनियम 2:22.

पतरस अपने श्रोताओं को यीशु की सांसारिक सेवकाई से परिचित होने की अपील करता है, जिसे परमेश्वर ने उसके माध्यम से चमत्कार करते हुए देखा था। फिर प्रेरित तुरंत मामले के मूल में जाता है, पद 23 और 24 में यीशु के क्रूस पर चढ़ने और पुनरुत्थान की गवाही देता है। पतरस यीशु के पुनरुत्थान की वास्तविकता पर विस्तार से बताता है, इसे भजन 16, प्रेरितों के काम 2 :25-32 में पुराने नियम की भविष्यवाणी की पूर्ति के रूप में प्रस्तुत करता है।

पतरस इस तथ्य पर जोर देता है कि प्रेरित, प्रेरितों के काम 1:8 की पूर्ति में, यीशु के पुनरुत्थान के गवाह हैं। परमेश्वर ने इस यीशु को जीवित किया है, मैं उद्धृत कर रहा हूँ, हम सभी इसके गवाह हैं, उद्धरण समाप्त, श्लोक 32। यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान की गवाही देने के बाद, पतरस उसके उत्थान के बारे में बात करना जारी रखता है।

इसमें, उसके पुनरुत्थान के साथ, उसका स्वर्गारोहण, सत्र, और पिनतेकुस्त पर आत्मा को उँडेलना, पद 33 शामिल है। वह भजन 110:1 में डेविड के शब्दों का हवाला देते हुए, पवित्रशास्त्र से भी इसका समर्थन करता है। यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे चरणोंकी चौकी न कर दूँ, तब तक मेरे दाहिने हाथ बैठ। अधिनियम 2:34-35.

इसके बाद, पीटर यीशु के बारे में अपना संदेश लागू करता है। इसलिए, इस्राएल के सभी घराने निश्चित रूप से जानें कि भगवान ने इस यीशु को बनाया है, जिसे आपने क्रूस पर चढ़ाया है, प्रभु और मसीह दोनों, पद 36। अपने पेंटेकोस्ट उपदेश में, पीटर ने एक पैटर्न दिया है जिसे वह अधिनियमों में अपने उपदेशों में दोहराता है।

उसी वाक्य में, वह यीशु के बारे में यहूदियों के आकलन को शामिल करता है, जैसा कि उनके क्रूस पर चढ़ने का समर्थन करने से प्रमाणित होता है, जिसके साथ वह यीशु के बारे में परमेश्वर के आकलन की तुलना करता है, जैसा कि उसके द्वारा मृतकों में से जी उठने से प्रमाणित होता है। यह पैटर्न सबसे पहले पतरस के उपदेश की शुरुआत में दिखाई देता है, जोएल 2:28-32 के उनके उद्धरण के बाद आता है। " इसी यीशु को तुमने अधर्मियों के हाथों क्रूस पर चढ़ाया और मार डाला। परमेश्वर ने उसे जिलाया।" प्रेरितों के काम 2:23-24। पतरस ने पद 36 में इस पैटर्न को शक्तिशाली ढंग से दोहराया है।

" इसलिये इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है।" यह पतरस के पिनतेकुस्त उपदेश का मुख्य बिंदु है।

यीशु के क्रूस पर चढ़ने में उसके श्रोता सहभागी थे, लेकिन परमेश्वर पिता ने उसे जीवित किया, सार्वजनिक रूप से उसे प्रभु और मसीहा दोनों घोषित किया। जैसा कि पवित्र आत्मा प्रेरितों के काम 1:8 की पूर्ति में कार्य करता है, प्रेरितों के शब्दों का उसके श्रोताओं पर तत्काल और विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। उनके दिल छिद गए, और उन्होंने प्रेरितों से पूछा, भाइयों, हमें क्या करना चाहिए? श्लोक 37।

पतरस ने जवाब देने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। पश्चाताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का उपहार पाओगे। श्लोक 38।

यह स्वीकार करते हुए कि उन्होंने अपने मसीहा की हत्या में भूमिका निभाई थी, पतरस के श्रोता शायद खुद को क्षमा से परे समझें। शुक है कि प्रेरितों ने उन्हें ऐसा नहीं माना, जैसा कि पतरस के सांत्वनापूर्ण उत्तर से संकेत मिलता है। यही पतरस के सांत्वनापूर्ण उत्तर से संकेत मिलता है।

एफएफ ब्रूस बताते हैं, उद्धरण, उत्तर अकथनीय रूप से आश्वस्त करने वाला था। चाहे यह अविश्वसनीय लगे, पीटर ने उनसे कहा कि अब भी आशा है। उन्हें अपने पापों से पश्चाताप करने दें और भगवान की ओर मुड़ने दें।

उन्हें यीशु के नाम पर बपतिस्मा देने दें, जिसे मसीहा के रूप में स्वीकार किया गया है। तब न केवल उन्हें पापों की क्षमा मिलेगी, बल्कि उन्हें पवित्र आत्मा का उपहार भी मिलेगा। वह उपहार जो कुछ घंटे पहले ही प्रेरितों को दिया गया था।

एफएफ ब्रूस, बुक ऑफ एक्ट्स, न्यू इंटरनेशनल कमेंट्री ऑन द न्यू टेस्टामेंट, पृष्ठ 75। इस कविता ने प्रश्न उठाए हैं, जिन्हें हम संक्षेप में संबोधित करेंगे। सबसे पहले, विश्वास के बिना पश्चाताप को मोक्ष की पेशकश की उचित प्रतिक्रिया के रूप में वर्णित किया गया है।

दोनों का जिक्र एक साथ कम ही होता है। विश्वास, पश्चाताप और विश्वास के संयोजन के उदाहरणों के लिए अधिनियम 19:2 और 20:21 देखें। अधिनियम 19:2, 20:21. और आमतौर पर या तो



पश्चात्ताप, अधिनियम 5:31, अधिनियम 11:18, या विश्वास, अधिनियम 15:9, 26:18 का उल्लेख दूसरे को दर्शाते हुए किया गया है।

एक और बार। दोनों का जिक्र एक साथ कम ही होता है. आमतौर पर या तो पश्चात्ताप या विश्वास का उल्लेख दूसरे को दर्शाते हुए किया जाता है।

एक साथ, अधिनियम 19:4, 20:21. केवल पश्चात्ताप, 5:31, 11:18. केवल विश्वास, 15:9, 26:18. इसका मतलब यह है कि पतरस द्वारा यहाँ केवल पश्चात्ताप का उल्लेख करना कोई समस्या नहीं है। मुक्ति में पाप से फिरना, पश्चात्ताप करना और मसीह की ओर मुड़ना शामिल है जैसा कि उसे सुसमाचार, विश्वास में पेश किया गया है। पश्चात्ताप और विश्वास को एक ही सिक्के के दो पहलू मानना सबसे अच्छा है।

दूसरा, पतरस के शब्दों के आधार पर, पश्चात्ताप करो और अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लो। कुछ ने शिशुओं या वयस्कों के लिए बपतिस्मात्मक पुनर्जनन सिखाया है। यद्यपि इस पाठ के आधार पर ऐसा समावेशन संभव है, लेकिन अधिनियमों की शेष पुस्तक सहित शेष नए नियम द्वारा इसका खंडन किया गया है। डेविड पीटरसन बपतिस्मा के संबंध में लिखते समय सही हैं।

"यह कोई ऐसा अधिकार नहीं है जो वास्तविक पश्चात्ताप और विश्वास के अलावा मुक्ति का आशीर्वाद सुरक्षित कर सके।" पीटरसन, प्रेरितों के कार्य 155।

उनकी टिप्पणी शिक्षित आम लोगों के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। यह बहुत सारे अध्ययन पर आधारित है, लेकिन इसे फुटनोट्स के साथ स्पष्ट और समझने योग्य भाषा में प्रस्तुत किया गया है जो आपको आगे ले जाता है यदि आप वास्तव में वहाँ जाना चाहते हैं। तीसरा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, पीटर के शब्द, वादा उन सभी के लिए है जो दूर हैं, जितने प्रभु हमारे भगवान बुलाएंगे।

ये शब्द सुसमाचार को अन्यजातियों तक पहुँचाने की भविष्यवाणी करते हैं, हालाँकि प्रेरितों ने संभवतः इसे पूरे साम्राज्य में फैले यहूदियों के संदर्भ में समझा था। परमेश्वर पतरस को कुरनेलियुस के पास भेजकर और पौलुस को अन्यजातियों के लिए प्रेरित के रूप में उद्धार के लिए बुलाकर उनकी समझ को सही करेगा। चौथा, पिन्तेकुस्त के आदेश के विपरीत, यहाँ भगवान लोगों के विश्वास करने के बाद उपहार के रूप में पवित्र आत्मा देते हैं।

श्लोक 38. डेविड पीटरसन अधिनियम की पुस्तक में आत्मा के उपहार के इस मामले को परिप्रेक्ष्य में रखते हैं। उद्धारण, आत्मा का उपहार कभी-कभी पहले आता है और कभी-कभी अन्य संदर्भों में पानी के बपतिस्मा के बाद आता है।

8:11, 8:14-17, 9:17-18, 10:44-48, 19:5-6 की तुलना करें। एक और बार। आत्मा का उपहार कभी-कभी पानी के बपतिस्मा से पहले आता है और कभी-कभी उसके बाद आता है।

8:11, 8:12, क्षमा करें, और 14:17, 9:17-18, 10:44-48, 19:5-6। आश्चर्यजनक रूप से, पवित्र आत्मा ने पीटर के मजबूत संदेश के माध्यम से अपनी चेतावनी, उद्धारण, इस भ्रष्ट पीढ़ी से बचाए

जाने, श्लोक 40 पर काम किया। और परिणामस्वरूप, उस दिन लगभग 3,000 लोग उनके साथ जुड़ गए, श्लोक 41।

प्रारंभिक चर्च के महान विकास के बारे में यह ल्यूक की पहली टिप्पणी है। वह उनमें से अधिक देता है, जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं। यह अनुच्छेद हमें परमेश्वर के नए नियम के लोगों की पहचान के संबंध में बहुत कुछ सिखाने के लिए है।

उन्हें उन लोगों के रूप में वर्णित किया गया है जो पश्चाताप करते हैं और विश्वास करते हैं, जैसा कि तब माना जाता है जब वे यीशु के बारे में प्रेरितों का संदेश सुनते हैं। उनका मानना है कि यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था और भगवान ने पुराने नियम की भविष्यवाणी को पूरा करने और इस बात का प्रमाण देने के लिए कि वह प्रभु हैं और मसीहा का वादा किया था, तीसरे दिन उन्हें पुनर्जीवित किया। यीशु पापियों को बचाने वाला प्रभु है, प्रेरितों 5:31.

परमेश्वर ने इस व्यक्ति को इस्राएल को पश्चाताप और पापों की क्षमा देने के लिए नेता और उद्धारकर्ता के रूप में अपने दाहिने हाथ पर ऊंचा किया, 5:31। परिणामस्वरूप, परमेश्वर के लोग यीशु के माध्यम से पापों की क्षमा का आनंद लेते हैं, और वे ईसाई बपतिस्मा के लिए प्रस्तुत होते हैं। परमेश्वर अपने नए नियम के लोगों को पवित्र आत्मा देता है ताकि वे पुनर्जन्म लें और उनमें वास करें।

परमेश्वर उन्हें पुराने नियम की तुलना में आत्मा के बारे में बहुत कुछ सिखाता है। इसके अलावा, परमेश्वर के लोगों को उनके सुसमाचार प्रचार को सशक्त बनाने के लिए आत्मा प्राप्त हुई है। हालाँकि प्रेरितों ने प्रेरितों के काम में नेतृत्व किया है, लेकिन निश्चित रूप से लार्किन सही हैं, उद्धरण, कि पूरे चर्च और प्रत्येक सदस्य को यह कार्य करना चाहिए।

प्रेरितों की शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी लोग गवाह बन जाते हैं। बिल लार्किन, प्रेरितों के काम, पृष्ठ 41. प्रत्येक सदस्य के गवाह होने के उदाहरण प्रेरितों के काम 14:2 और 3:22, 15 से 18, और पद 20 में भी हैं।

14:2 और 3, अध्याय 22:15 से 18 और 20। अधिनियमों की पुस्तक में भगवान के लोगों का वर्णन करने वाला तीसरा अनुच्छेद अधिनियम 2:42 से 47 में प्रारंभिक चर्च की गतिविधियाँ हैं। ल्यूक कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है प्रेरितों के काम 2:42 में प्रारंभिक चर्च।

उन्होंने खुद को लागू किया, मैं इसे ईएसवी से प्राप्त करने जा रहा हूँ, और उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और संगति, रोटी तोड़ने और प्रार्थनाओं के लिए समर्पित कर दिया। ये वे चीज़ें हैं जिनमें आरंभिक चर्च ने भाग लिया था। ध्यान दें कि गतिविधियाँ सामान्य रूप से की गईं।

विश्वासियों ने एक-दूसरे के जीवन को साझा किया। बेशक, व्यक्तिगत पहल शामिल थी, लेकिन एकजुटता प्रारंभिक चर्च की विशेषता के रूप में सामने आई। उनमें से प्रत्येक ने मसीह के साथ एक व्यक्तिगत संबंध का आनंद लिया, और उन्होंने एक साथ इसका आनंद लिया।

उन्होंने प्रेरितों के सिद्धांतों को अपनाकर, मसीह में अपने जीवन को साझा करके, प्रभु के भोज सहित सामूहिक भोजन करके और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करके मसीह को साझा किया। हम इन चारों गतिविधियों में से प्रत्येक की बारी-बारी से जाँच करेंगे। सबसे पहले, शुरुआती विश्वासियों ने प्रेरितों के सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।

जैसा कि हमने पिछले अंश के अपने उपचार में देखा, पतरस का पिनतेकुस्त उपदेश योएल 2, भजन 16, और भजन 110 से पुराने नियम के शास्त्रों से भरा हुआ था। लेकिन ध्यान दें कि उसी समय, उपदेश में पतरस के शब्द, जब शास्त्रों को उद्धृत नहीं कर रहे थे, तब भी श्रोताओं द्वारा परमेश्वर के वचन के रूप में ग्रहण किए गए थे। उनके उपदेशात्मक शब्द अधिकारपूर्ण थे, परमेश्वर की सच्चाई सिखाते थे और अपने श्रोताओं को परमेश्वर के साथ सही तरीके से कैसे पेश आना है, इस बारे में प्रोत्साहित करते थे।

प्रेरित के रूप में दिए गए पवित्रशास्त्र और पतरस के शब्द, धर्मशास्त्र और नैतिकता के लिए आधिकारिक थे। वे मानवीय शब्दों में ईश्वरीय रहस्योद्घाटन थे, जितना कि परमेश्वर का लिखित वचन है। और, बेशक, पुराने और नए नियम में सभी भविष्यसूचक संदेश परमेश्वर के लिखित वचन का हिस्सा नहीं बने।

हम कहेंगे कि लिखित शब्द सबसे महत्वपूर्ण है। लेकिन अन्य भविष्यवाणियाँ भी उतनी ही रहस्योद्घाटनकारी थीं। परमेश्वर ने हमें वही दिया जो वह चाहता था कि हम उसके पवित्रशास्त्रीय भविष्यवाणियों और प्रेरितों के शब्दों में पाएं।

धर्मग्रंथ और प्रेरित के रूप में दिए गए पतरस के शब्द, धर्मशास्त्र और नैतिकता के लिए आधिकारिक थे। क्या इसका मतलब यह है कि पतरस ने जो कुछ भी कहा वह सब वैसा ही था? नहीं। जब श्रीमती पतरस ने पतरस से कहा कि वह कूड़ा-कचरा बाहर फेंक दे, तो उसकी प्रतिक्रिया चाहे जो भी रही हो, यह परमेश्वर की ओर से रहस्योद्घाटन नहीं था।

जब वे प्रेरितों के रूप में परमेश्वर के लिए बोलते थे, तो उनके शब्द परमेश्वर की ओर से एक रहस्योद्घाटन थे। यह सुनने में भले ही बहुत बढ़िया लगे, लेकिन यह सच है। विश्वास करने वाले यहूदियों ने पतरस के प्रेरितिक उपदेश को परमेश्वर के वचन के रूप में स्वीकार किया।

उन्होंने पश्चात्ताप किया और बपतिस्मा लिया। दूसरा, पहले मसीहियों ने खुद को संगति के लिए समर्पित कर दिया, मसीह में अपने जीवन को साझा करने के लिए। संगति के बारे में नए नियम का विचार, ग्रीक शब्द कोइनोनिया, आज की संगति के बारे में हमारे विचार से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है, चर्च के तहखाने में कॉफी और डोनट्स।

इन वचनों पर विचार करें। परमेश्वर विश्वासयोग्य है। उसने आपको अपने पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह के साथ संगति में बुलाया है।

1 कुरिन्थियों 1:9. अविश्वासियों के साथ जुए में न जुतो। क्योंकि धार्मिकता और अधर्म में क्या साझेदारी? या ज्योति और अंधकार में क्या संगति? 2 कुरिन्थियों 6:14. प्रभु यीशु मसीह का

अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की संगति तुम सब के साथ रहे। 2 कुरिन्थियों 13:13, प्रसिद्ध आशीर्वाद।

यदि मसीह में कोई प्रोत्साहन है, यदि प्रेम से कोई सांत्वना है, यदि आत्मा की कोई सहभागिता है, यदि कोई स्नेह और दया है, तो फिलिप्पियों 2:1। और फिर 1 यूहन्ना 1, आयत 3 और 5 से 7। जो हमने देखा और सुना है, हम तुम्हें भी बताते हैं, ताकि तुम भी हमारे साथ सहभागिता करो। और वास्तव में, हमारी सहभागिता पिता और उसके पुत्र, यीशु मसीह के साथ है। परमेश्वर प्रकाश है।

और उसमें बिलकुल भी अंधकार नहीं है। अगर हम कहते हैं कि हम उसके साथ संगति करते हैं और फिर भी अंधकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोल रहे हैं और सत्य का अभ्यास नहीं कर रहे हैं। अगर हम ज्योति में चलते हैं, जैसा कि वह स्वयं ज्योति में है, तो हम एक दूसरे के साथ संगति करते हैं, और यीशु, उसके पुत्र का लहू हमें सभी पापों से शुद्ध करता है।

1 यूहन्ना 1:3, 5, और 7. इन नए नियम के पाठों में, संगति परमेश्वर के उद्धार के बारे में बात करने का एक तरीका है जिसे विश्वासियों के साथ साझा किया जाता है ताकि उनके पास पिता, 1 यूहन्ना 1:3, पुत्र, 1 कुरिन्थियों 1:9, 1 यूहन्ना 1:3 और पवित्र आत्मा के साथ साझेदारी हो। 2 कुरिन्थियों 13:13.

फिलिप्पियों 2:1. ये पाठ उद्धार के बारे में बात करते हैं, कि मसीही पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के साथ साझेदारी कर सकते हैं। और बस इतना ही। 1 यूहन्ना 1 विशेष रूप से शिक्षाप्रद है क्योंकि यह परमेश्वर, पिता और पुत्र के साथ विश्वासियों की संगति और अन्य विश्वासियों के साथ विश्वासियों की संगति को एक दूसरे के साथ जोड़ता है।

यह हमें प्रेरितों के काम 2:32 पर वापस लाता है। विश्वासियों द्वारा साझा की जाने वाली संगति, सबसे पहले, परमेश्वर द्वारा हमारे साथ उद्धार साझा करना है ताकि हम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के साथ भागीदार बन सकें। ईश्वर के साथ इस संगति से व्युत्पन्न, हम एक दूसरे के साथ भी संगति करते हैं। प्रेरितों के काम 2:32। गलातियों 2:9 की तुलना करें। तो, शुरुआती विश्वासियों ने उद्धार में उनके साथ परमेश्वर की भागीदारी को एक दूसरे के साथ साझा किया।

उन्होंने मसीह की बातें, अनंत जीवन और पापों की क्षमा को साझा किया। उनकी संगति वास्तव में समृद्ध और संतुष्टिदायक थी। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि इससे कभी-कभी संपत्ति का स्वैच्छिक बंटवारा भी होता था, जैसा कि प्रेरितों के काम 2:42 के बाद की आयतें दर्शाती हैं।

तीसरा, विश्वासियों ने रोटी तोड़ने में हिस्सा लिया। ल्यूक ने अपने लेखन में तीन बार रोटी तोड़ने का उल्लेख किया है। लूका 24:35. फिर वे वर्णन करने लगे कि इम्मौस के मार्ग में क्या हुआ था, उसका अर्थ क्या था, और रोटी तोड़ते समय उस ने अपने आप को अर्थात् यीशु को किस प्रकार प्रगट किया।

अधिनियम 24:35. अधिनियम 2:42. उन्होंने स्वयं को प्रेरितों की शिक्षा, संगति, रोटी तोड़ने और प्रार्थना में संलग्न किया। अधिनियम 2:42. अधिनियम 20 और पद 7. सप्ताह के पहले दिन, हम

रोटी तोड़ने के लिए इकट्ठे हुए। पौलुस ने उनसे बातें की, और चूँकि वह अगले दिन प्रस्थान करने वाला था, इसलिए वह आधी रात तक बातें करता रहा।

प्रेरितों के काम 20 और पद 7. बहुत लंबा-चौड़ा उपदेशक। इस बात पर असहमति है कि इसका क्या मतलब है। डेविड पीटरसन इस बात से इनकार करते हैं कि, "रोटी तोड़ना" प्रभु के भोज को संदर्भित करता है, और इसके बजाय मानते हैं कि प्रेरितों के काम 2:42, "सबसे स्पष्ट रूप से अपने घरों में शुरुआती शिष्यों द्वारा साझा किए गए आम भोजन को संदर्भित करता है, पद 46।" प्रेरितों के काम पृष्ठ 161 पर पीटरसन की टिप्पणी। यह इस तथ्य की सटीक व्याख्या है कि शिष्यों ने, उद्धरण, पद 46 में घर-घर जाकर रोटी तोड़ी।

लेकिन क्या यह पद 32, और खास तौर पर पद 20 और पद 7 की सही व्याख्या है? मैं यह भी नोट करता हूँ कि लूका 24:35 भी साझा भोजन का उल्लेख करता है। मुझे लूका 24 में, सड़क के बारे में कही गई बात में प्रभु के भोज का उल्लेख नहीं दिखता। जब उसने रोटी तोड़ी तो क्या हमारे दिल नहीं जले? यह प्रभु का भोज नहीं है।

वह भोजन है जिसे यीशु ने एम्माँस की सड़क पर शिष्यों के साथ साझा किया था। नए नियम के अन्य विद्वान 2:32 में पवित्र आत्मा का एक संभावित संदर्भ देखते हैं, और 27 में एक निश्चित संदर्भ देखते हैं। ब्रूस ने 4:34.32 के बारे में लिखा है, उद्धरण, यहां रोटी को तोड़ना एक साथ भोजन करने के सामान्य भाग से कुछ अधिक दर्शाता है।

प्रभु भोज का नियमित पालन निस्संदेह इंगित किया गया है, करीबी उद्धरण। एफएफ ब्रूस, बुक ऑफ एक्ट्स, पृष्ठ 79। 27 के लिए, उनका मानना है कि, उद्धरण, रोटी तोड़ना संभवतः एक फेलोशिप भोजन को दर्शाता है जिसके दौरान यूचरिस्ट मनाया गया था, करीबी उद्धरण।

ब्रूस, अधिनियमों की पुस्तक, 408। मार्शल 4.32 में रोटी तोड़ने को ल्यूक के शब्द के रूप में समझता है जिसे पॉल प्रभु का भोज कहता है, और 20 और पद 7 में रोटी तोड़ने के लिए इकट्ठे हुए लोगों को उसी तरीके से लेता है। हॉवर्ड मार्शल, एक्ट्स, टिंडेल न्यू टेस्टामेंट कमेंटरी, रिप्लेसमेंट वॉल्यूम, पेज 83 और 325। हम सहमत हैं कि 4:32 संभवतः फेलोशिप भोजन के रूप में मनाए जाने वाले लॉर्ड्स सपर को संदर्भित करता है, और 20 और श्लोक 7 निश्चित रूप से चर्च संबंधी संदर्भ के कारण ऐसा करता है।

“सप्ताह के पहले दिन, हम रोटी तोड़ने के लिए इकट्ठे हुए।” पॉल ने उनसे बात की, अधिनियम 20 और पद 7। पीटरसन निष्पक्षता प्रदर्शित करते हैं जब हालांकि वह जे बोहेम से असहमत होते हैं, वह एक फुटनोट में बोहेम के निष्कर्ष का हवाला देते हैं। उद्धरण, पॉलीन मिशन के संदर्भ में 20 और श्लोक 7 में भोजन, 1 कुरिन्थियों 11 और श्लोक 20 में पॉल द्वारा प्रभु भोज के रूप में वर्णित सांस्कृतिक भोजन होना चाहिए।

पीटरसन, प्रेरितों के कार्य, पृष्ठ 161, टिप्पणी 109, जे. बोहम, थियोलॉजिकल डिक्शनरी ऑफ द न्यू टेस्टामेंट, खंड 3, पृष्ठ 731 का हवाला देते हुए। किटेल, 3731. चौथा, ईसाइयों ने खुद को प्रार्थना के लिए समर्पित किया।

वे न केवल प्रेरितिक धर्मशास्त्र के लिए भूख रखते थे, एक दूसरे के साथ मसीह को साझा करते थे, और एक साथ प्रभु के भोज में भाग लेते थे, बल्कि वे सामूहिक प्रार्थनाओं में भी खुद को समर्पित कर देते थे। लार्किन ने समझदारी से कहा, उद्धरण, ल्यूक ने प्रार्थना को चर्च के जीवन का अभिन्न अंग बताया है। यह यीशु और उसके लोगों के बीच आवश्यक कड़ी है क्योंकि वे उसके मार्गदर्शन और उसकी ताकत के तहत उसके राज्य के कार्य को अंजाम देते हैं।

लार्किन, प्रेरितों के काम, पृष्ठ 61. हमारे अगले व्याख्यान में, हम इसे उठाएंगे और प्रेरितों के काम की पुस्तक में परमेश्वर के नए नियम के लोगों को देखना जारी रखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा ल्यूक-प्रेरितों के काम के धर्मशास्त्र पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 14 है, पीटरसन, प्रेरितों के काम में चर्च, भाग 1।